

पागल हो गए सारे ग्वाल

गोकुल में ढूँढ़ें राधा,
मथुरा में ढूँढ़ें श्याम,
गली गली ये सबसे पूछे,
कहाँ मिलेगा श्याम,
होश नहीं है चैन नहीं है,
पागल हो गए सारे ग्वाल।

कोई वृन्दावन में जाए,
कोई जमना तट पर जाए,
कोई बरसाना में जाए,
कहीं पर ना भेद पाए,
ढूँढ़ ढूँढ़ कर सबका,
हो गया बुरा हाल,
होश नहीं है चैन नहीं है,
पागल हो गए सारे ग्वाल।

राधा गुजरियों से पूछे,
गुजरियाँ बागों में ढूँढ़ें,
बागों में झूले सूने,
एक राधा रानी पूछे,
श्याम बिना एक पल भी,
जीना हो गया मुहाल,
होश नहीं है चैन नहीं है,
पागल हो गए सारे ग्वाल।

कोई नन्द गाँव में जाए,
सब लोगों को बतलाए,
वहाँ सबसे पूछ आये,
फिर भी ना भेद पाए,
गजब हो गया सब मिल बोले,
कहाँ गए गोपाल,
होश नहीं है चैन नहीं है,
पागल हो गए सारे ग्वाल।

कोई सन्देश लाया,
मास्क लगाकर आया,
जसोदा माँ ने रखा,
वा कृष्ण कन्हैया,
सब मिल दौड़े जाए,
देखो नन्द बाबा के द्वार,
होश आ गया, खुशी छा गई,
ठीक हो गए सारे ग्वाल।

गोकुल में ढूँढें राधा,
मथुरा में ढूँढें श्याम,
गली गली ये सबसे पूछे,
कहाँ मिलेगा श्याम,
होश नहीं है चैन नहीं है,
पागल हो गए सारे ग्वाल।

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23679/title/pagal-ho-gaye-sare-gwal>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |